पुस्तकालय

सत्यमेव जयते

3138
30/3/2011 (1)

असंशोधित

15 MAR 2011

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 1–कार्यवाही–प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
मै०स०प्रे०सं०..........241.......तिथि.......30-3-11

श्री नीतीश कुमार,मुख्यमंत्री : (क्रमशः) इसलिए माननीय सदस्यों के द्वारा जो सवाल पूछे गये हैं , उसको ध्यान में रखते हुए और पूरे बालू के उत्खनन को लेकर आज हमारी जो नीति है, इसके बारे में सरकार पूरी समीक्षा करायेगी और एक सम्यक नीति का निर्माण करेगी ।

तारांकित प्रश्न सं०-१०२७(श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह,स०वि०स०)

श्री सुशील कुमार मोदी,उप मुख्यमंत्री : महोदय, खंड-क उत्तर अस्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि राजगीर के वादियों में आकर्षित होने वाली मेहमान पक्षियों को शिकारियों के द्वारा पकड़े जाने एवं मारे जाने की घटना प्रकाश में नहीं आयी है । समाचारपत्र में अंकित स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ।

खंड-ख उत्तर अस्वीकारात्मक है एवं उपरोक्त खंड-क के अनुरूप है ।

खंड-ग उपरोक्त कंडिका क एवं ख में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है ।

श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह : महोदय, नालन्दा बिहार का एक ऐसा प्रमुख स्थान है, जो स्थान पर्यटकों को आकर्षित करता है और उस स्थान की सुन्दरता बनी रहे, सरकार भी यह चाहती है, सबलोग चाहते हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं उसी दृष्टि से बड़ा हैरत में हूँ इस जवाब से कि सरकार को पता नहीं है और हमलोग जब जाते हैं, आप भी कभी जाते होंगे तो देखते होंगे सामने सड़क पर और खुले आम खरगोश का और ऐसे पक्षियों का जो पक्षी हमारे यहां दिखाई नहीं पड़ते हैं, वो बाहर के हैं, वे दूर-दूर से आने वाले पक्षी हैं और उनको लोग सड़क पर बैठकर के बेच रहे हैं । इस प्रकार के जो वहां शिकारी हैं, वे अपने इस काम में हैं और वे लगे हुए हैं लेकिन सरकार को इस बात की जानकारी नहीं है । लेकिन अस्वीकारात्मक उत्तर इस प्रकार से देना क्या उचित है अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि यह सरकार सूचना ग्रहण करती और उसपर कार्रवाई करे, रोक लगाये । रोक नहीं लगा पाती है वर्तमान कानून तो और कड़ा कानून बनाने का प्रयत्न हो तो क्या सरकार वहां की सुन्दरता बनी रहे, इस सूचना के आधार पर सरकार विचार रखती है कि वहां की सुन्दरता बरकरार रहे उस पर्यटन स्थल की तो उन पक्षियों को बचाने का प्रयास सरकार करेगी और यदि कड़ा कानून भी बनाने की आवश्यकता पड़े तो सरकार कानून बनाये ।

श्री सुशील कुमार मोदी,उप मुख्यमंत्री : महोदय, राजगीर के पहाड़ियों एवं इसके आस-पास मुख्य रूप से तीन स्थानों पर यथा - पावापूरी, दिग्घी तालाब व्हेनसंग मेमोरियल के पास है, इसक पीछे घोड़ा कटोरा और वाटर बॉडी चिन्हित हैं । पावापूरी जैन धर्मावलम्बियों का जल मंदिर है । इस तालाब में किसी तरह का शिकार निषेध है एवं असाध्य है । जैन धर्मावलम्बियों एवं आसपास के लोगों के निगरानी में उक्त स्थल पर किसी भी मेहमान पक्षियों का शिकार नहीं हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाता है । दिग्घी तालाब में साल के प्रथम जनवरी को पिकनिक हेतु बड़ी संख्या में लोगों का आना होता है, उस दौरान विगत वर्षों में पक्षियों के शिकार की सूचना मिलती थी । वर्ष २००९ एवं २०१० में उक्त

तालाब पर जनवरी माह में विशेष गश्ती की व्यवस्था की गई, इसके कारण शिकार की घटना पूरी तरह से बन्द हो गई । घोड़ा कटोरा डैम के पानी के आस-पास मेहमान पक्षियों का आना होता है । उक्त स्थल को अब पिकनिक स्थान के रूप में विकसित किया जाना है । अब उम्मीद की जाती है अध्यक्ष महोदय कि यह जो घोड़ा कटोरा है, लगातार पिकनिक स्थल के रूप में जो विकसित किया जा रहा है तो प्रशासन की लगातार उपस्थिति के कारण वहां पर अगर यदा-कदा कोई घटना भी होती होगी तो अब शिकार करना संभव नहीं होगा । लेकिन जब भी कोई सूचना मिलेगी, हमलोग उस बात का ध्यान रखेंगे और तीन मुख्य स्थल है, उसपर लगातार निगरानी रखी जा रही है ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

तारांकित प्रश्न सं०-१०२८(श्री सतीश चन्द्र दूबे,स०वि०स०)

अध्यक्ष : यह प्रश्न स्थानान्तरित है नगर विकास एवं आवास विभाग में ।

श्री सतीश चन्द्र दूबे : महोदय, यह प्रश्न पी०एच०ई०डी० से संबंधित है ।

अध्यक्ष : यह प्रश्न पी०एच०ई०डी० को स्थानान्तरित ।

तारांकित प्रश्न सं०-१०२९(श्रीमती पूनम देवी यादव,स०वि०स०)

श्री प्रशांत कुमार शाही,मंत्री : महोदय, खंड-१ एवं २ आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि खगड़िया जिलान्तर्गत जिला परिषद द्वारा द्वितीय चरण के अन्तर्गत शिक्षक नियोजन का कार्य सम्पन्न नहीं किये जाने के कारण विभिन्न विषयों में रिक्ति है ।

गणित, संस्कृत, विज्ञान में क्रमशः स्वीकृत पद ४३, ४०, ४३ के विरूद्ध २०, ११, १६ शिक्षक कार्यरत है ।

रिक्ति के विरूद्ध सेवानिवृत्त शिक्षकों से अध्यापन का कार्य कराने का कार्रवाई प्रक्रियान्तर्गत है । आगामी नियोजन की प्रक्रिया में शिक्षकों का नियोजन सम्पन्न किया जा सकेगा । ..... क्रमशः .....